राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

रोकठोक लेखनी

RNI NO. : MAHHIN/2019/77511

खबरें बे-रोकटोक

वर्ष 07 | अंक 39 | मुंबई : बुधवार 05 अगस्त 2026 से 11 अगस्त 2026 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 8 | कीमत : 03 रुपये

मुंबई पुलिस में ₹ 6.41 करोड़ का सैलरी घोटाला...

कागजों पर थे 10 'घोस्ट कर्मचारी'; 6 साल बाद खुला राज

मुंबई : मुंबई पुलिस विभाग के पेरोल रिकॉर्ड में 6.41 करोड़ रुपये का बड़ा वित्तीय घोटाला सामने आया है। यहां उन 10 पुलिस कर्मचारियों के नाम पर सैलरी के तौर पर करोड़ों रुपये ट्रांसफर किए गए, जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं था। 2019 और 2020 के बीच मुंबई पुलिस के 'कर्मचारियों' को सैलरी के तौर पर लगभग 6.4 करोड़ रुपये दिए गए। इस मामले में अब छह साल बाद पता चला कि ये कर्मचारी सिर्फ कागजों पर ही मौजूद थे।

कैसे हुआ घोटाले का खुलासा ?

पुलिस कर्मचारियों का डेटा पुराने सैलरी पोर्टल 'सेवार्थ' से जब नए सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म पर ट्रांसफर किया जा रहा था, तब ऐसे 10 नाम सामने आए, जिनके नाम पर सैलरी दी गई, लेकिन ये कर्मचारी सिर्फ कागजों पर ही मौजूद थे। उत्तरी क्षेत्रीय डिवीजन के एक पुलिस अधिकारी की शिकायत के मुताबिक, दस ऐसे लोगों को बार-बार कर्मचारी के तौर पर लिस्ट किया गया जो पुलिसकर्मी नहीं थे और उनके बैंक खातों में हर महीने सैलरी जाती

रही। इन फर्जी पुलिसकर्मियों के बैंक खाते में ट्रांजेक्शन दिसंबर 2019 से फरवरी 2020 तक और जून 2020 से सितंबर 2020 के बीच किए गए। FIR में बताए गए 10 फर्जी नाम ये हैं- रामदास भोगले, सुधाकर कदम, सरजू यादव, भागवत भोसले, गुनाजी खावकर, महादेव हलदानकर, राजेंद्र सोनार, उत्तम थोराट, सूर्यकांत पाटिल और पांडुरंग कदम। पुलिस के अनुसार, मिनिस्ट्रियल लेवल के क्लर्कों ने मिलीभगत करके अटेंडेंस रजिस्टर और फर्जी कर्मचारियों (घोस्ट एम्प्लॉई) के रिकॉर्ड बनाए। इन पर बाहरी लोगों के नाम पेरोल में जोड़ने का आरोप लगा है।

फर्जी ट्रांजैक्शन करने के मामले में केस दर्ज

घटना के समय पद पर रहे पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। ऋक्र में नामजद कर्मचारियों में पूर्व प्रशासनिक अधिकारी रामकृष्ण गोस्वामी, नागेश तलवडेकर और विजया चव्हाण के साथ-साथ हेड क्लर्क अजय राठौड़ और सीनियर क्लर्क अमोल मेश्राम शामिल हैं। इन सभी पर भारतीय न्याय संहिता, 2023 के तहत धोखाधड़ी, जालसाजी, विश्वासघात और आपराधिक साजिश के आरोप लगाए गए हैं। मुंबई पुलिस विभाग ने बिना मंजूरी के सैलरी प्रोसेस करने के लिए फर्जी सर्विस ID और डिफाइंड कंट्रीब्यूशन पेंशन स्कीम बनाने के आरोपों के बाद विजया चव्हाण और क्लर्क अमोल मेश्राम को सस्पेंड कर दिया है।

मुंबई में बच्चे को कुत्ते ने काटा, इंजेक्शन लगा, शरीर में रह गई टूटी हुई सुई... सर्जरी से बची जान

मुंबई : कुत्ते का काटना, कई इंजेक्शन लगाना और फिर शरीर में सिरिंज की टूटी हुई सुई का रहा जाना, मुंबई के पास कल्याण के रहने वाले ढाई साल के बच्चे को रविवार को इन दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं से गुजरना पड़ा। हालांकि, आखिरी घटना को रोका जा सकता था। बच्चे और उसके परिवार के लिए स्थित तब और खराब हो गई जब अस्पताल के डॉक्टरों ने यह मानने से ही इनकार कर दिया कि ऐसा कुछ हुआ है। इस वजह से बच्चे को घंटों तक दर्द सहना पड़ा और बाद में सुई निकलवाने के लिए दूसरी जगह सर्जरी करवानी पड़ी।

कुत्ते के काटने के बाद बच्चे को अस्पताल में कराया भर्ती

कल्याण ईस्ट के रहने वाले कावेश को खेलते समय गलती से उसके पालतू कुत्ते ने काट लिया था। उसके माता-पिता, सूर्यभान और काजल, उसे कल्याण-डोंबिवली म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा चलाए जा रहे रुक्मिणीबाई अस्पताल ले गए। काजल ने बताया कि डॉक्टरों ने एंटी-रेबीज इंजेक्शन लगवाने की सलाह दी। एक नर्स ने तीन इंजेक्शन लगाए, दो हाथों पर और एक जांघ पर और आखिरी इंजेक्शन के लिए कूल्हे के पास एक जगह मार्क की।

बच्चे की मां ने बताया कि लगभग आधे घंटे बाद, एक दूसरी डॉक्टर आई और मुझे बुलाया। उन्होंने कावेश को इंजेक्शन लगाया जबकि मैंने उसके पैर पकड़ रखे थे। उन्होंने इंजेक्शन इस तरह लगाया कि सुई टूट गई और उसके शरीर के अंदर ही रह गई। फिर उन्होंने कहा कि आपका बच्चा हिल रहा है, इसलिए सुई टूट गई। अगर आप एक्स-रे देखेंगे तो पता लगेगा कि सुई अंदर मुड़ भी गई थी। काजल ने बताया कि उन्होंने तुरंत डॉक्टर को इस बारे में बताया, लेकिन डॉक्टर का कहना था कि टूटा हुआ हिस्सा फर्श पर गिर गया होगा।

मुंबई में मानसूनी बीमारियों का प्रकोप बढ़ा, मलेरिया-डेंगू के मामलों में बड़ा उछाल, बीएमसी का अलर्ट जारी...

मुंबई : मुंबई में लगातार हो रही बारिश के बीच अब मानसून से जुड़ी बीमारियां तेजी से फैलने लगी हैं. बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार जून की तुलना में जुलाई 2026 में मलेरिया, डेंगू, लेप्टोस्पायरोसिस, गैस्ट्रो और एच1एन1 (स्वाइन फ्लू) के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है. बढ़ते संक्रमण को देखते हुए बीएमसी का जन स्वास्थ्य विभाग हाई अलर्ट पर है और नागरिकों से विशेष सावधानी बरतने की अपील कर रहा है. प्रशासन का कहना है कि बारिश के मौसम में जलभराव और मच्छरों की बढ़ती संख्या संक्रामक बीमारियों के प्रसार की बड़ी वजह बन रही है. इसी को देखते हुए पूरे शहर में

निगरानी और रोकथाम अभियान तेज कर दिया गया है.

जुलाई में तेजी से बढ़े मरीजों के आंकड़े

बीएमसी के आंकड़ों के अनुसार मानसून के दौरान कई बीमारियों के मामलों में तेज वृद्धि दर्ज की गई है. जून में 655 मलेरिया मरीज थे, जो जुलाई में बढ़कर 1,380 हो गए. इसी तरह डेंगू के मामलों की संख्या 266 से बढ़कर 466 पहुंच गई. लेप्टोस्पायरोसिस के मरीज 33 से बढ़कर 78 हो गए, जबकि गैस्ट्रो के मामलों में भी वृद्धि दर्ज की गई और संख्या 603 से बढ़कर 851 तक पहुंच गई. एच1एन1 यानी स्वाइन फ्लू के मामले 58 से बढ़कर 105 हो गए हैं. वहीं कोविड-19 के मरीजों की संख्या भी 27 से बढ़कर 58 दर्ज की गई है. हालांकि चिकुनगुनिया के मामलों में कोई विशेष बदलाव नहीं हुआ और इसकी संख्या सात पर स्थिर बनी हुई है.

बीमारियों के बढ़ते मामलों को देखते हुए बीएमसी ने ह्लजीरो मच्छर ब्रीडिंग अभियानह्व शुरू किया है. इस अभियान के तहत अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में मच्छरों की पैदावार रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है.

पुलिस को बताया तो जान से मार दूंगी.. 9 महीने के मासूम के मुंह में डाला फेविक्विक, पारिवारिक झगड़े का लिया बदला

पुणे : पुणे के लोहगांव इलाके से एक ऐसी दिलदहला देने वाली घटना सामने आई है जिसने मानवता को पूरी तरह शर्मसार कर दिया है। पारिवारिक विवाद और आपसी रंजिश का बदला लेने के लिए एक महिला ने अपनी ही रिश्तेदारी में लगने वाले महज 9 महीने के मासूम बच्चे के मुंह में फेविक्विक डाल दिया। इस अमानवीय कृत्य ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है और लोग इस क्रूरता को देखकर हैरान हैं। यह खौफनाक घटना 31 जुलाई को लोहगांव के कलवड वस्ती इलाके में घटी। पुलिस से मिली जानकारी

के अनुसार, शिकायतकर्ता अल्ताफ नबी शेख की पत्नी जैनब और उनकी रिश्तेदार सानिया शेख के बीच पिछले कुछ समय से किसी घरेलू बात को लेकर लगातार झगड़े हो रहे थे। सानिया शेख के मन में इस विवाद को लेकर गहरा गुस्सा था।

सोते हुए बच्चे के साथ क्रूरता

बताया जा रहा है कि घटना वाले दिन, जैनब का 9 महीने का छोटा बच्चा घर में शांति से सो रहा था। इसी दौरान आरोपी सानिया शेख ने अपने मन में दबे गुस्से और बदले की भावना के कारण उस मासूम बच्चे के पास जाकर उसके मुंह में फेविक्विक उड़ेल दिया।

बीएमसी ने शुरू किया शहरव्यापी सफाई अभियान, कचरा हॉटस्पॉट पर लगेंगे सीसीटीवी...

मुंबईः बॉम्बे हाई कोर्ट के हालिया निदेर्शों के बाद, बृहन्मुंबई नगर निगम ने पूरे शहर में सफाई अभियान शुरू किया है। नगर निकाय अधिकारियों ने कचरा फेंकने वाले हॉटस्पॉट पर सीसीटीवी कैमरे लगाने और कचरा फैलाने या गैर-कानूनी तरीके से कचरा फेंकने वालों पर सख्त जुमार्ना लगाने का फैसला किया है। बीएमसी के सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट डिपार्टमेंट ने मुंबई और उसके उपनगरों में साफ-सफाई बेहतर करने, खुले में कचरा फेंकने से रोकने और 'गारबेज वल्नरेबल पॉइंट्स - यानी वे जगहें जहाँ बार-बार कचरा फेंका जाता है - को हमेशा के लिए खत्म करने के लिए यह व्यापक अभियान शुरू किया है। जारी बयान के अनुसार, म्युनिसिपल कमिश्नर अश्विनी भिड़े ने 1 अगस्त को सभी वार्ड कार्यालयों के असिस्टेंट कमिश्नरों को निर्देश दिया कि वे नियमित रूप से सफाई का निरीक्षण करें और अपने-अपने इलाकों में सफाई के उच्च मानकों को सुनिश्चित करें।

इस अभियान के तहत बाजारों, मुख्य सड़कों, फुटपाथों, सार्वजनिक

जगहों, खाली प्लॉटों, समुद्र तटों, नालों और जल निकायों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सभी चिन्हित जीवीपी की निगरानी सीसीटीवी कैमरों से की जाएगी और गैर-कानूनी तरीके से कचरा फेंकते हुए पकड़े जाने पर लोगों पर सख्त जुमार्ना लगाया जाएगा।

बीएमसी ने उन जगहों की पहचान की है जहाँ बार-बार कचरा जमा होता है और लगातार निगरानी के लिए उन्हें गूगल मैप्स पर वार्ड-वार मैप किया है। कचरे के स्रोत और प्रकार की पहचान करने और कचरा उठाने, परिवहन, मैनपावर और मशीनरी में कमियों की जांच करने के लिए हर हॉटस्पॉट का व्यवस्थित मूल्यांकन किया जाएगा। नगर निकाय निवासियों, बाजार संघों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के साथ भी जुड़ेगा और जन-जागरूकता और व्यवहार परिवर्तन अभियान चलाएगा। बयान के अनुसार, सीसीटीवी-आधारित निगरानी और बार-बार नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई इस रणनीति का हिस्सा होगी। अभियान की निगरानी वार्ड-वार रिकॉर्ड, फोटो-सबूत, डिजिटल मैपिंग और नियमित समीक्षाओं के माध्यम से की जाएगी। बाजारों, मुख्य सड़कों, फुटपाथों, सार्वजनिक जगहों, समुद्र तटों, नालों और जल निकायों में विशेष सफाई अभियान भी चलाए जाएंगे। बीएमसी प्लास्टिक और ठोस कचरे को नालों, खाड़ियों और समुद्र में जाने से रोकने के उपाय भी मजबूत करेगा। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट पर हाई कोर्ट की टिप्पणियों के बाद 1 अगस्त को नगर निगम मुख्यालय में बीएमसी के विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक हुई।

मुंबईः पूर्व शिवसेना विधायक यामिनी जाधव की बिगड़ी तबीयत

मुंबईः महाराष्ट्र की पूर्व शिवसेना विधायक यामिनी जाधव की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्वास्थ्य खराब होने की जानकारी मिलने के बाद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे अस्पताल पहुंचे और उन्होंने यामिनी जाधव से मुलाकात कर उनका हाल जाना। जानकारी के अनुसार, यामिनी जाधव की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद परिवार की ओर से उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। हालांकि, उनकी स्वास्थ्य स्थिति को लेकर अस्पताल प्रशासन या परिवार की ओर से विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

यामिनी जाधव शिवसेना की प्रमुख नेताओं में शामिल रही हैं और मुंबई की राजनीति में उनकी सक्रिय भूमिका रही है। वह विधायक के रूप में भी अपनी जिम्मेदारी निभा चुकी हैं। उनके अस्पताल में भर्ती होने की खबर के बाद पार्टी नेताओं और समर्थकों ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अस्पताल पहुंचकर यामिनी जाधव से मुलाकात की और डॉक्टरों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने उनके जल्द ठीक होने की कामना की। शिंदे की अस्पताल यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ाई गई थी। यामिनी जाधव मुंबई की स्थानीय राजनीति में लंबे समय से सक्रिय रही हैं। उन्होंने सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर अपनी भूमिका निभाई है। उनके समर्थकों ने सोशल मीडिया के माध्यम से उनके बेहतर स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना की है।

मुंबईः कांग्रेस सांसद के पीए पर धोखाधड़ी का आरोप, पुलिस ने किया केस दर्ज

मुंबईः कांग्रेस के मौजूदा सांसद के सहायक के खिलाफ एसआरए (सहकारी आवास प्राधिकरण) आवास कक्षों से जुड़े बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी और जालसाजी के रैकेट के संबंध में मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर के अनुसार, शिकायतकर्ता ने कई लोगों पर आवास आवंटन का वादा करके और फिर फर्जी दस्तावेज और झूठे आश्वासन जारी करके पैसे लेने का आरोप लगाया है। शिकायत में कहा गया है कि आरोपियों ने एसआरए और सहकारी आवास कार्यालयों से जुड़े जाली पत्रों, मुहरों और

हस्ताक्षरों का इस्तेमाल करके कई वर्षों में शिकायतकर्ता और अन्य लोगों से लगभग 5.57 करोड़ रुपए एकत्र किए। एफआईआर में फर्जी आवंटन पत्रों, फर्जी कब्जे के पत्रों और अंधेरी, सांताक्रूज, बांद्रा, कांदिवली और माटुंगा सहित मुंबई के विभिन्न स्थानों में कमरों के हस्तांतरण के बारे में भ्रामक बयानों का भी उल्लेख है।

पुणेः कर्ज के बोझ में उजड़ा परिवार, पति-पत्नी और बेटी की मौत

पुणेः महाराष्ट्र के पिंपरी-चिंचवड़ इलाके से एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां आर्थिक तंगी और कर्ज के बढ़ते दबाव से परेशान एक परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है। पुलिस की शुरूआती जांच में सामने आया है कि परिवार ने कथित तौर पर आत्महत्या का प्रयास किया था। मृतकों की पहचान विनोद पिल्लई (50), उनकी पत्नी शीलजा पिल्लई (45) और बेटी पूर्णिमा पिल्लई (19) के रूप में हुई है। यह परिवार पिंपरी-चिंचवड़ के मोरवाड़ी स्थित करिश्मा ग्लोरी सोसाइटी में किराए के फ्लैट में रहता था।

पुलिस के अनुसार, परिवार ने कथित तौर पर जहरीला पदार्थ सेवन किया और कमरे में कोयले का धुआं किया। घटना की जानकारी मिलने के बाद तीनों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने विनोद पिल्लई को अस्पताल पहुंचने से पहले ही मृत घोषित कर दिया, जबकि उनकी पत्नी और बेटी का इलाज चल रहा था। रविवार सुबह इलाज के दौरान दोनों ने भी दम तोड़ दिया। घटनास्थल की जांच के दौरान पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, नोट में परिवार ने गंभीर आर्थिक संकट और कर्ज के बढ़ते बोझ का जिक्र किया है। हालांकि पुलिस सुसाइड नोट की जांच कर रही है और उसमें लिखी बातों की पुष्टि की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर की जा रही है।

कल्याण : कल्याण की महिला की हत्या का खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार

कल्याण : कल्याण की रहने वाली एक महिला की हत्या के मामले को पुलिस ने सुलझा लिया है। कुछ दिन पहले घोटी-सिनार हाईवे पर एसएमबीटी अस्पताल के पास मिली महिला की लाश के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि यह मामला दुर्घटना नहीं बल्कि हत्या का था। पुलिस अधिकारियों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि मृतक महिला की पहचान संगीता मारुति चंदनशिवे के रूप में हुई है। वह कल्याण के मोहाने इलाके की रहने वाली थीं। संगीता पेशे से शिक्षिका थीं और इसके साथ ही एलआईसी एजेंट के तौर पर भी काम करती थीं।

पुलिस ने बताया कि महिला की गुमशुदगी की शिकायत उनके भाई रवींद्र मारुति चंदनशिवे ने कल्याण के कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई थी। इसी दौरान वाडी-वरहे पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एसएमबीटी अस्पताल के पास एक अज्ञात महिला का शव मिलने की सूचना मिली। आधार कार्ड से हुई शव की पहचान पुलिस के अनुसार, शव मिलने के बाद जांच शुरू की गई। महिला के पास मिले आधार कार्ड के आधार पर उनके भाई रवींद्र ने शव की पहचान अपनी बहन संगीता चंदनशिवे के रूप में की। शुरूआत में पुलिस ने इस मामले को दुर्घटना से हुई मौत के रूप में दर्ज किया था। हालांकि, जांच के दौरान मिले कुछ महत्वपूर्ण सुरागों के बाद पुलिस को शक हुआ कि यह मामला हत्या से जुड़ा हो सकता है। इसके बाद पुलिस ने मामले की दिशा बदलते हुए गहराई से जांच शुरू की। मोबाइल कॉल रिकॉर्ड से मिला अहम सुराग पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जांच के दौरान महिला के मोबाइल फोन के कॉल डिटेल रिकॉर्ड की जांच की गई।सीडीआर विश्लेषण में सामने आया कि महिला को आखिरी कॉल नासिक के पंचवटी इलाके के रहने वाले संतोष जाधव की ओर से आया था।

इस महत्वपूर्ण सुराग के आधार पर पुलिस ने संतोष जाधव को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। पूछताछ के दौरान पुलिस को अन्य आरोपियों के बारे में जानकारी मिली। जांच में मुख्य आरोपी के रूप में आसनगांव निवासी दिगंबर भागुजी अव्हाड का नाम सामने आया। इसके अलावा तुषार मुरलीधर रत्नपारखी और विनोद रामचंद्र पांडे की संलिप्तता

मुंबई : काजू कतली में जंग लगी मेटल की पिन मिली; वीडियो से चिंता

मुंबईः मुंबई के एक रहने वाले ने आरोप लगाया कि चरनी रोड के ओपेरा हाउस इलाके में तिवारी ब्रदर्स स्वीट्स से खरीदी गई काजू कतली के एक टुकड़े में जंग लगी मेटल की पिन मिली, जिससे इस मशहूर मिठाई की दुकान में खाने की सुरक्षा और हाइजीन को लेकर नई चिंताएं बढ़ गई हैं। कस्टमर प्रणय पलाव के मुताबिक, मोतीचूर के लड्डू और काजू कतली समेत ये मिठाइयां 29 जुलाई, 2026 को खरीदी गई थीं। घर पर काजू कतली खाते समय, कस्टमर को कथित तौर पर एक टुकड़े के अंदर जंग लगी मेटल की पिन मिली। कस्टमर ने दावा किया कि मिठाई उनकी तीन साल की बेटी को देने से ठीक पहले इस बाहरी चीज का पता चल गया, जिससे शायद कोई बड़ा हादसा टल गया।

मुंबई: 6 महीने का बच्चा किडनैप, 4 घंटे में बचाया गया; आरोपी गिरफ्तार

मुंबई: विनोबा भावे नगर पुलिस ने ठाणे पुलिस की मदद से, छह महीने के बच्चे के किडनैपिंग केस को चार घंटे के अंदर सफलतापूर्वक सुलझा लिया और बच्चे को सुरक्षित बचा लिया। पुलिस जांच में पता चला कि कथित तौर पर पारिवारिक झगड़े की वजह से किडनैपिंग की गई थी। आरोपी, जिसकी पहचान अमन आनंद सकट, 25, के तौर पर हुई है, को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच चल रही है।

पुलिस के मुताबिक, शिकायत करने वाली, सोनिया श्याम सुंदर कांबले, 20, एक घरेलू काम करने वाली और कमलाबाई चॉल, मसरानी लेन, हलाव पूल, कुर्ला वेस्ट की रहने वाली थी, 2 अगस्त को सुबह 5.30 से 6 बजे के बीच अपने छह महीने के बेटे के साथ अपने घर पर सो रही थी, जब आरोपी कथित तौर पर बच्चे को ले गया। बच्चे को ढूंढने के बाद भी वह नहीं मिला, तो कांबले ने विनोबा पुलिस से संपर्क किया। भावे नगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता एक्ट के सेक्शन 137(2) के तहत एक अनजान आदमी के खिलाफ केस दर्ज किया। सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर अमित टाड की गाइडेंस में, बच्चे को ढूंढने के लिए पेट्रोलिंग यूनिट, डिटेक्शन टीम, सर्विलांस टीम और एटीसी के लोगों समेत कई टीमों को लगाया गया। जांच के तहत अलग-अलग जगहों से सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई। डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस गणेश शिंदे के निर्देशों के बाद, सर्च ऑपरेशन में मदद के लिए घाटकोपर, तिलक नगर और नेहरू नगर पुलिस स्टेशनों से अलग-अलग टीमें भी बनाई गईं।

जांच के दौरान, पुलिस ने कुर्ला रेलवे स्टेशन, विद्याविहार रेलवे स्टेशन, लोकमान्य तिलक टर्मिनस और आस-पास के इलाकों से सीसीटीवी फुटेज ट्रैक की। फुटेज से पता चला कि आरोपी बच्चे को विद्याविहार रेलवे स्टेशन की तरफ ले गया था और ट्रेन से ठाणे जा रहा था। अलर्ट तुरंत ठाणे पुलिस कमिश्नरेट और रेलवे पुलिस अधिकारियों के साथ शेयर किए गए। शाम करीब 6.30 बजे, ठाणे सिटी पुलिस कमिश्नरेट के तहत डोंबिवली के विष्णु नगर पुलिस स्टेशन ने बताया कि सर्च ऑपरेशन के दौरान लापता बच्चा उनके इलाके में मिला। बच्चा सुरक्षित मिला और बाद में विनोबा भावे नगर पुलिस ने उसे परिवार को सौंप दिया।

पुणे : फ्रेंडशिप डे पर पुलिस को बांधे बैंड, भरोसे का दिया संदेश...

पुणे : फ्रेंडशिप डे के अवसर पर नागरिकों और पुलिस के बीच आपसी विश्वास, सहयोग और संवाद को मजबूत करने के उद्देश्य से 'युवा स्पंदन सोशल ऑर्गनाइजेशन' ने एक अनोखी सामाजिक पहल की। संगठन के पदाधिकारियों और स्वयंसेवकों ने चतुश्रृंगी और कोथरूड पुलिस स्टेशनों में पहुंचकर पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को फ्रेंडशिप बैंड बांधे और उनके समर्पण के लिए आभार व्यक्त किया। इस पहल का उद्देश्य केवल फ्रेंडशिप डे मनाना नहीं था, बल्कि पुलिस और आम नागरिकों के बीच संबंधों को और बेहतर बनाना भी था। संगठन ने कहा कि पुलिसकर्मी समाज की सुरक्षा के लिए दिन-रात अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं और उनके योगदान को सम्मान देना जरूरी है। कार्यक्रम के दौरान युवा स्पंदन सोशल ऑर्गनाइजेशन के सदस्यों ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों से मुलाकात की। उन्होंने पुलिस बल के कठिन कार्यों और समाज में उनकी भूमिका की सराहना की। संगठन के सदस्यों ने कहा कि पुलिस केवल कानून व्यवस्था बनाए रखने वाली संस्था नहीं है, बल्कि वह समाज की सुरक्षा और लोगों की मदद के लिए हमेशा सक्रिय रहती है। कई बार पुलिसकर्मी व्यक्तिगत परेशानियों के बावजूद अपनी ड्यूटी को प्राथमिकता देते हैं।

मुंबई: सेंट्रल रेलवे ने यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पर रियल-टाइम एलईडी ट्रेन इन्फॉर्मेशन डिस्प्ले लगाए

मुंबई: छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से यात्रा करने वाले यात्री अब लंबी दूरी की ट्रेनों का स्टेटस ज्यादा आसानी से देख पाएंगे, क्योंकि सेंट्रल रेलवे ने पूरे स्टेशन पर एक नया आईपी-बेस्ड एलईडी वीडियो डिस्प्ले सिस्टम शुरू किया है। डिजिटल स्क्रीन अगले चार घंटों में आने और जाने वाली ट्रेनों की रियल-टाइम जानकारी देती हैं, जिससे यात्रियों को पूछताछ काउंटर या प्लेटफॉर्म इंडिकेटर पर निर्भर हुए बिना सही अपडेट पाने में मदद मिलती है। स्टेशन के मेन हॉल समेत खास जगहों पर लगाई गई हाई-रिजॉल्यूशन एलईडी स्क्रीन एक बार में 12 ट्रेनों की एंट्री दिखाती हैं। जानकारी में ट्रेन नंबर, ट्रेन का नाम, आने या जाने का तय समय और प्लेटफॉर्म नंबर शामिल हैं। आने और जाने वाली ट्रेनों के लिए अलग-अलग डिस्प्ले यात्रियों के लिए जरूरी जानकारी जल्दी से ढूंढना आसान बनाते हैं, खासकर यात्रा के पीक घंटों के दौरान। यह सिस्टम नेशनल ट्रेन इंक्वायरी सिस्टम के साथ जुड़ा हुआ है, जिससे यह पक्का होता है कि ट्रेन की जानकारी हर पांच मिनट में अपने आप रिफ्रेश हो जाए। इससे यात्रियों को देरी, प्लेटफॉर्म में बदलाव और ट्रेन के शेड्यूल के बारे में रियल-टाइम अपडेट मिल सकते हैं। सेंट्रल रेलवे के अनुसार, इस कदम का मकसद यात्रियों को ज्यादा तेज और भरोसेमंद जानकारी देकर सुविधा को बेहतर बनाना है।

यह प्रोजेक्ट आईपी-बेस्ड ''ट्रेन ऑल-इन-वन वीडियो डिस्प्ले'' सिस्टम का इस्तेमाल करता है, जिससे स्टेशन के सभी डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड एक ही समय में एक जैसे अपडेट पा सकते हैं।

मुंबई एयरपोर्ट कस्टम्स ने इंटरनेशनल ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया,

19 साल के लड़के को 16किलो हाइड्रोपोनिक वीड के साथ अरेस्ट किया

मुंबई: मुंबई एयरपोर्ट कस्टम्स अधिकारियों ने एक इंटरनेशनल ड्रग्स स्मगलिंग सिंडिकेट का पता लगाया है और एक 19 साल के लड़के को अरेस्ट किया है जो सिंडिकेट के लिए कैरियर/खच्चर का काम करता था। अधिकारियों ने आरोपी के पास से 16 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक वीड बरामद किया है। कस्टम सूत्रों के अनुसार, खास इंटेलिजेंस के आधार पर, राजस्थान के अजमेर के रहने वाले एक पैसेंजर अजीत काठात को बैंकॉक से मुंबई के सीएसएमआई एयरपोर्ट पर आने के बाद अराइवल हॉल में रोका गया। इसके बाद, कस्टम्स अधिकारी पैसेंजर को एयरपोर्ट के सीसीटीवी रूम में ले गए।

उसका ट्रॉली बैग खोलने पर, बैग के अंदर कस्टम्स अधिकारियों को 16 प्लास्टिक पैकेट मिले। पैकेट में हरे रंग का सूखा पत्ता जैसा कुछ था, जिसके ऊपर फल और फूल थे, जो हाइड्रोपोनिक वीड होने का दावा किया जा रहा था, जिसका वजन 16 किलोग्राम था। कथत को समन भेजा गया और उसका अपनी मजी से बयान दर्ज किया गया, जिसमें उसने पैसे के बदले नशीली दवा की जानकारी न देने, उसे छिपाने, बरामद करने और जब्त करने की बात मानी। फिर उसे गिरफ़्तार कर लिया गया।

एक कस्टम अधिकारी ने कहा, ''अब तक की शुरूआती जांच और आरोपी व्यक्ति के बयान से पता चलता है कि इसमें और भी लोग शामिल हैं, जिनकी पहचान और पता लगाना अभी बाकी है। मामले की जांच बहुत शुरूआती स्टेज में है, जब्त की गई नशीली दवा की तस्करी के सोर्स, जिसे चाहिए था, फाइनेंसिंग, सप्लाई चेन और इसमें शामिल दूसरे लोगों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।'' अधिवक्ता आशीष सिंह और बीरेंद्र यादव ने कोर्ट में आरोपी की तरफ से दलीलें दीं, जिसके बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। डीआरआई ने हाल ही में अपनी रिपोर्ट में कहा था कि थाईलैंड में गांजे की खेती और बिक्री की इजाजत देने वाले पॉलिसी बदलावों से इसकी पहुंच बढ़ी है, जिससे तस्करों के लिए नए मौके पैदा हुए हैं।

18 अधिकारियों को पदोन्नति का तोहफा, सचिवालय में खुशी

मुंबई: महाराष्ट्र विधान मंडल सचिवालय में कुल 18 अधिकारियों को उप सचिव, अवर सचिव, अवर सचिव (समिति) और कक्ष अधिकारी के पदों पर पदोन्नति दी गई है। यह आदेश सोमवार को जारी किया गया। सीमा तांबे, पुष्पा दलवी, घननील देबडवार को उप सचिव पद के लिए चुना गया है। विनोद राठौड़, कैलाश पजारे, जयश्री म्हात्रे, जीवन गावकर, पवन म्हात्रे और नेहा कोठारी को अवर सचिव पद पर पदोन्नति दी गई है। इसी तरह नितिन अहेर, रवींद्र मेस्त्री और अलका पराडकर को अंडर सेक्रेटरी (समिति) के पद के लिए चुना गया है। इसके अलावा, जान्हवी गमरे, दिनेश तारे, संतोष सुद्रिक, ज्योति कामतेकर, शुभांगी जगे और शीतल मोरे को कक्ष अधिकारी के पद पर प्रमोट किया गया है। इस संबंध में आदेश सोमवार को विधान मंडल सचिवालय के अस्थापना विभाग की ओर से जारी किया गया।

मुंब्रा में जर्जर इमारत खतरे में, 170 लोगों को खाली करने का आदेश...

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले के मुंब्रा इलाके में शनिवार दोपहर एक जर्जर रिहायशी इमारत में स्लैब का प्लास्टर गिरने और कॉलम में दरारें आने से हड़कंप मच गया। गनीमत रही कि इस घटना में किसी की जान नहीं गई और न ही कोई व्यक्ति घायल हुआ। हालांकि, इमारत की खतरनाक स्थिति को देखते हुए ठाणे नगर निगम के अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए वहां रहने वाले लोगों को इमारत खाली करने का नोटिस जारी कर दिया है।

यह घटना मुंब्रा के कौसा इलाके में चांदनगर स्थित सानिया हॉल के पास धूम अपार्टमेंट में शनिवार दोपहर करीब 3:51 बजे हुई। बताया जा रहा है कि अचानक इमारत के स्लैब का प्लास्टर गिर गया और कुछ मुख्य कॉलम में दरारें दिखाई देने लगीं। घटना के बाद इमारत में रहने वाले लोगों के बीच डर का माहौल बन गया। पहले से घोषित थी 'सी1' श्रेणी की खतरनाक इमारत

ठाणे नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार, धूम अपार्टमेंट करीब 20 साल पुरानी इमारत है और इसे पहले ही 'सी1' श्रेणी में रखा गया था। यह श्रेणी उन इमारतों के लिए होती है जिन्हें बेहद खतरनाक और रहने के लिए असुरक्षित माना जाता है। ऐसी इमारतों को तत्काल खाली कराकर गिराने की प्रक्रिया अपनाई जाती है।

प्लास्टर गिरने और भार उठाने वाले मुख्य खंभों में दरारें आने के बाद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। कई निवासियों ने तुरंत अपने परिवार के साथ इमारत से बाहर निकलना शुरू कर दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार, अगर यह घटना किसी व्यस्त समय या रात के दौरान होती तो बड़ा हादसा हो सकता था। समय रहते स्थिति का पता चलने से एक बड़ी दुर्घटना टल गई। नगर निगम की टीम ने किया निरीक्षण घटना की सूचना मिलते ही ठाणे नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची और इमारत का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने इमारत की मौजूदा स्थिति का जायजा लिया और सुरक्षा के लिहाज से लोगों को वहां रहने से रोक दिया।

संपादकीय...

संसद में 'भगवा' स्वांग...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

संसद भवन कोई नाटक खेलने या स्वांग रचने का मंच नहीं है। वह देश के गणतंत्र का सर्वोच्च, पवित्र, गरिमामय और मर्यादित मंच है। बेशक हमारे माननीय सांसदों ने ही इसकी गरिमा, छवि सवालिया की है। बेशक संसद परिसर में सांसद और राजनीतिक समूह विरोध-प्रदर्शन कर सकते हैं, धरने भी दिए जाते रहे हैं, लेकिन ऐसे ढोंग, नौटंकी पर उन्हें ही विचार करना चाहिए कि ये देशहित, जनहित और असंख्य आस्थाओं के पक्ष में है अथवा नहीं! बिहार से निर्दलीय सांसद (कांग्रेस समर्थक) पप्पू यादव ने संसद परिसर में जो कुछ भी किया, निश्चित रूप से वह सनातन-विरोधी था। प्रभु श्रीराम का अपमान भी था। मिथ्या, खोखले आरोपों का नाटकीय मंचन भी था। पप्पू यादव संसद भवन को 'राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय' का प्रतीक भी नहीं दे सकते। साधु-संतों ने अयोध्या के राम मंदिर में चंदा-चढ़ावे की चोरी-डकैती की, ऐसा कोई साक्ष्य, आरोप या जांच-दल का निष्कर्ष नहीं है। इस मुद्दे पर संसद के भीतर विचारोत्तेजक, आरोपिया बहस की जानी चाहिए और मोदी सरकार-भाजपा को जवाब देने को बाध्य किया जाना चाहिए। पप्पू यादव का साधु-वेश धारण करना और चंदा-चोरी का प्रतीकात्मक अभिनय करना कमोबेश संसद भवन में नहीं किया जाना चाहिए था। पूर्णिया के लाखों लोगों ने उन्हें इसलिए निर्वाचित नहीं किया है। संविधान लागू हुए 76 वर्ष बीत चुके हैं और 18वीं लोकसभा अभी अस्तित्व में है, लेकिन ऐसी अपमानजनक राजनीति का नाटक हमने नहीं सुना और बीते तीन दशकों से देखा भी नहीं है। सचमुच प्रभु श्रीराम के मंदिर में यह चोरी-डकैती अत्यंत नीच, घटिया किस्म का भ्रष्टाचार है। जब चोरी के पैसे से बनाई गई संपत्तियों पर बुलडोजर चलाए जाएंगे, तो भी राजनीतिक दल चिल्ल-पौं करेंगे।

बहरहाल इस संदर्भ में जो कार्रवाई की जानी चाहिए थी, वह की गई है। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय बंसल का इस्तीफा मंजूर हो चुका है और नए महासचिव पदासीन हो रहे हैं। जो चेहरे सवालिया और कलंकित हैं, उनसे पुलिस और जांच-दल ने पूछताछ की है। पप्पू ने ऐसे कुछ जिम्मेदार लोगों को 'चोर'कहा है, जो कानूनन उचित नहीं है। जांच अभी जारी है। सर्वोच्च अदालत तक मामला पहुंच चुका है और अदालत ने एसआईटी की रपट का अभी तक का ब्यौरा मांगा है। कई कलंकित, भ्रष्ट चेहरे अब भी जेल में हैं और पुलिस उनसे सिलसिलेवार पूछताछ कर रही है।

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

मुंबईः विद्याविहार एक्सीडेंट केसः जमानत रद्द होने के बाद 17 वर्षीय आरोपी फरार

मुंबईः विद्याविहार में हुए जानलेवा एक्सीडेंट मामले में आरोपी 17 वर्षीय नाबालिग जमानत रद्द होने के कुछ दिनों बाद फरार हो गया है। मुंबई सेशंस कोर्ट द्वारा उसकी जमानत रद्द किए जाने के बाद पुलिस उसकी तलाश में जुट गई है। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी को अदालत के निर्देशों के तहत पेश किया जाना था, लेकिन वह अब तक सामने नहीं आया है। पुलिस ने नाबालिग आरोपी की तलाश के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी के परिवार के घर के बाहर एक नोटिस लगाया गया है, जिसमें परिवार को निर्देश दिया गया है कि वे नाबालिग को संबंधित अधिकारियों के सामने पेश करें।

तिलक नगर के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर संतोष ढेम्बरे ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस 'कानून के दायरे में आने वाले बच्चे' की तलाश कर रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने परिवार को नोटिस जारी किया है और उन्हें अदालत के सामने नाबालिग को पेश करने के लिए कहा गया है। पुलिस अधिकारी के अनुसार, फिलहाल आरोपी की तलाश के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। जांच एजेंसियां आरोपी के संभावित ठिकानों और संपर्कों की जानकारी जुटाने में लगी हैं।

मामला विद्याविहार क्षेत्र में हुए एक गंभीर सड़क हादसे से जुड़ा है, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। हादसे के बाद आरोपी नाबालिग के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई और अदालत में संबंधित प्रक्रिया पूरी की गई। इस मामले में मुंबई सेशंस कोर्ट ने कुछ दिन पहले नाबालिग आरोपी की जमानत रद्द कर दी थी। अदालत के आदेश के बाद आरोपी को निर्धारित प्रक्रिया के तहत अधिकारियों के सामने पेश होना था, लेकिन इसके बाद उसके फरार होने की जानकारी सामने आई।

पीड़ित की पत्नी मीनल पटेल ने अदालत के आदेश के पालन में हो रही देरी पर निराशा जताई है। उन्होंने कहा कि उनका न्याय व्यवस्था पर पूरा विश्वास है और उन्हें उम्मीद है कि अंत में सच की जीत होगी। मीनल पटेल ने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान किया जाना चाहिए और अदालत के निर्देशों का जल्द से जल्द पालन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अदालत के आदेश के चार दिन बाद भी नाबालिग आरोपी का अधिकारियों के सामने पेश नहीं होना चिंता का विषय है।

उन्होंने यह भी कहा कि परिवार को न्याय मिलने की उम्मीद है और वे चाहते हैं कि मामले में कानूनी प्रक्रिया पूरी तरह से आगे बढ़े। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से अपील की है कि आरोपी को जल्द से जल्द खोजकर अदालत के निदेर्शों के अनुसार कार्रवाई की जाए। कानून के अनुसार, नाबालिग आरोपियों के मामलों में अलग प्रक्रिया अपनाई जाती है और उनके पुनर्वास तथा सुधार को ध्यान में रखते हुए कार्रवाई की जाती है। हालांकि, गंभीर अपराधों से जुड़े मामलों में अदालत परिस्थितियों के आधार पर अलग-अलग आदेश दे सकती है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच और आरोपी की तलाश दोनों प्रक्रियाएं साथ-साथ चल रही हैं। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी किन परिस्थितियों में फरार हुआ और उसे छिपने में किसी तरह की मदद तो नहीं मिली। इस घटना के बाद एक बार फिर गंभीर अपराधों में शामिल नाबालिग आरोपियों से जुड़े मामलों पर चर्चा शुरू हो गई है। ऐसे मामलों में पीड़ित परिवार न्याय प्रक्रिया के तेजी से आगे बढ़ने की उम्मीद करते हैं, जबकि कानून व्यवस्था बनाए रखने वाली एजेंसियां कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई करती हैं।

मुंबईः कांग्रेस व ठाकरे सेना को झटका, कई नेताओं का भाजपा में प्रवेश

मुंबईः कांग्रेस पार्टी और शिवसेना (यूबीटी) के कई नेताओं ने सोमवार को भाजपा में प्रवेश किया। पार्टी प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण की उपस्थिति में इन नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। चव्हाण ने कहा कि वाशिम जिले के कारंजा, मंगरूलपीर और मनोरा क्षेत्र की विभिन्न संस्थाओं और समितियों के पदाधिकारियों ने भाजपा में प्रवेश किया. साथ ही अलग-अलग राजनीतिक दलों के सैकड़ों कार्यकताओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर विधायक शामभाऊ खोडे, विधायक सईताई डहाके, भाजपा जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम चितलांगे सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता मौजूद थे। चव्हाण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास की भावना के साथ किसानों, श्रमिकों व समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने का कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने किसानों की कर्जमाफी और बिजली बिलों की बकाया राशि माफ की है।

चव्हाण ने कहा कि राज्य की प्रत्येक कृषि भूमि सिंचित हो, इस दिशा में सरकार कार्य कर रही है। सहकारिता क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए केंद्रीय मंत्री अमित शाह का मार्गदर्शन और सहयोग प्राप्त है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि सामाजिक सरोकार और अनुभव रखनेवाले प्रत्येक कार्यकर्ता का भाजपा में स्वागत है। उनके विश्वास को कभी टूटने नहीं दिया जाएगा।

मुंबई : 12.40 लाख रुपये की फर्जी करेंसी बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

मुंबईः अहिल्यानगर जिले के संगमनेर शहर में सोमवार को पुलिस ने 12 लाख 40 हजार रुपये के नकली नोट सहित एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। संगमनेर पुलिस स्टेशन की टीम इस मामले में तीन अन्य आरोपितों की सरगर्मी से तलाश कर रही है। संगमनेर पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक समीर वरावकर ने बताया कि शहर में एक कार संशयित अवस्था में घुम रही थी। इसकी जानकारी शहर के नागरिकों ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही संगमनेर शहर पुलिस ने वाहन का पीछा कर उसे रोक लिया। तलाशी के दौरान कार से बड़ी मात्रा में नकली नोट बरामद हुए और चालक मयूर किशोर सिद्धपुर को गिरफ्तार कर लिया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपित नकली नोटों की खेप संगमनेर में एक व्यक्ति तक पहुंचाने जा रहा था। कार में बरामद नकली नोट ब बेहद सुनियोजित तरीके से रखे गए थे। नोटों के प्रत्येक बंडल में ऊपर और नीचे असली नोट रखे गए थे, जबकि बीच में नकली नोट रखे गए थे ताकि लेन-देन के दौरान किसी को संदेह न हो। संगमनेर सिटी पुलिस स्टेशन की टीम फरार आरोपितों की तलाश कर रही है। पुलिस को आशंका है कि जांच में इस नकली नोट रैकेट से जुड़े अन्य लोगों और नेटवर्क का भी खुलासा हो सकता है।

मुंबईः बोरीवली आरटीओ के पुराने रिकॉर्ड नष्ट नहीं करने का आरोप

मुंबईः मुंबई पुलिस ने बोरीवली रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिस के एक्सपायर हो चुके रिकॉर्ड्स के निपटान में कथित लापरवाही को लेकर विदिषा कॉर्पोरेशन के मालिक विशाल शिंदे (39) के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोप है कि कंपनी ने आरटीओ के पुराने दस्तावेजों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार नष्ट नहीं किया, न ही रिकॉर्ड्स के निपटान का प्रमाण पत्र जमा किया और न ही इस संबंध में विभाग को कोई जानकारी उपलब्ध कराई। यह मामला मुंबई के एमएचबी पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, बोरीवली आरटीओ में तैनात असिस्टेंट मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर सतीश सोनावणे की शिकायत के आधार पर 30 जुलाई को एफआईआर दर्ज की गई। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी विशाल शिंदे को नोटिस जारी किया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार, बोरीवली आरटीओ ने पुराने और उपयोग से बाहर हो चुके रिकॉर्ड्स के निपटान के लिए परिवहन विभाग के नियमों के तहत प्रक्रिया शुरू की थी। इसके लिए ट्रांसपोर्ट कमिश्नर के निदेशों और विभागीय गाइडलाइंस के अनुसार 1 अप्रैल, 2025 को एक टेंडर जारी किया गया था। इस टेंडर के जरिए रिकॉर्ड्स को निर्धारित तरीके से नष्ट करने और संबंधित प्रक्रिया पूरी करने की जिम्मेदारी दी

जानी थी। आरोप है कि टेंडर प्रक्रिया के तहत जिम्मेदारी मिलने के बाद भी विदिषा कॉर्पोरेशन ने रिकॉर्ड्स के निपटान से जुड़ी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी नहीं कीं। नियमों के अनुसार पुराने दस्तावेजों को नष्ट करने के बाद संबंधित प्रमाण पत्र जमा करना और पूरी प्रक्रिया की जानकारी विभाग को देना जरूरी होता है। लेकिन शिकायत के मुताबिक, कंपनी की ओर से ऐसा नहीं किया गया।

आरटीओ जैसे महत्वपूर्ण सरकारी कार्यालयों में बड़ी संख्या में वाहन पंजीकरण, लाइसेंस, परमिट और अन्य प्रशासनिक रिकॉर्ड रखे जाते हैं। समय सीमा पूरी होने के बाद इन दस्तावेजों का सुरक्षित तरीके से निपटान करना आवश्यक होता है, ताकि रिकॉर्ड प्रबंधन व्यवस्थित रहे और संवेदनशील जानकारी के गलत इस्तेमाल की संभावना कम हो सके। परिवहन विभाग की गाइडलाइंस के अनुसार, पुराने रिकॉर्ड्स को नष्ट करने की प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखना जरूरी होता है। दस्तावेजों के निपटान के बाद संबंधित एजेंसी को यह प्रमाणित करना होता है कि रिकॉर्ड्स को नियमों के अनुसार नष्ट कर दिया गया है। ऐसा नहीं होने पर विभागीय नियमों के उल्लंघन का मामला बन सकता है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। जांच के दौरान यह पता लगाया जाएगा कि रिकॉर्ड्स का वास्तव में क्या हुआ, क्या उन्हें नष्ट किया गया था या नहीं, और यदि प्रक्रिया पूरी नहीं हुई तो इसके लिए जिम्मेदारी किसकी है। पुलिस संबंधित दस्तावेजों और टेंडर से जुड़े रिकॉर्ड्स की भी जांच कर सकती है। इस मामले ने सरकारी रिकॉर्ड्स के प्रबंधन और निपटान प्रक्रिया को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकारी विभागों के पुराने दस्तावेजों को संभालना एक संवेदनशील प्रक्रिया होती है, क्योंकि इनमें नागरिकों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां होती हैं। ऐसे में रिकॉर्ड्स के निपटान में किसी भी तरह की लापरवाही सुरक्षा और प्रशासनिक दृष्टि से गंभीर मानी जाती है।

आरटीओ अधिकारियों की ओर

दान चोरी के आरोपों के बीच सिद्धिविनायक ट्रस्ट ने मांगा ऑडिट

मुंबईः मनसे प्रमुख राज ठाकरे के 18 करोड़ रुपये के दान की चोरी के आरोपों के बाद, सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट ने पिछले दो सालों में मंदिर में दान की रकम में हुई बढ़ोतरी की ऑडिट कराने का फैसला किया और बताया कि इस मामले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया था, जो अब जमानत पर बाहर हैं। शनिवार को मनसे के एक कार्यक्रम में, राज ठाकरे ने मंदिर ट्रस्ट की ओर से महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे को लिखे एक कथित पत्र का ज़िक्र किया था, जिसमें उन्होंने सिद्धिविनायक मंदिर से दान की चोरी की शिकायत की थी।

रविवार को मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, एक ट्रस्टी ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की गई और मुंबई मंदिर में वीआईपी दर्शन के

लिए रिश्वत लेने के आरोप में कई कर्मचारियों को सस्पेंड भी किया गया। उन्होंने कहा, ''अब तक, जिन मंदिर कर्मचारियों को आरोपों के आधार पर पुलिस ने हिरासत में लिया था, उन्हें पहले पुलिस कस्टडी और फिर जेल कस्टडी में भेजा गया। बाद में कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी। पुलिस ने आठ लोगों को हिरासत में लिया था और उन्हें 3 दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा गया था। पुलिस कस्टडी के बाद, उनके खिलाफ एनसीआर (नॉन-कॉग्निजेबल रिपोर्ट) दर्ज की गई और उसके बाद उन्हें जमानत मिल गई, जिसमें नरेश खाडे भी शामिल हैं।'' ट्रस्टी ने कहा, ''पैसे की गिनती हर बुधवार को होती है और उसी दिन बैंक में जमा कर दिए जाते हैं।

पिछले दो सालों में दान की रकम बढ़ी है। कुछ कर्मचारियों को सस्पेंड किया गया है। वे वीआईपी दर्शन कराने के लिए भक्तों से पैसे लेते थे। दुनिया भर से लोग और मशहूर हस्तियां दर्शन के लिए सिद्धिविनायक मंदिर आते हैं। दान की रकम में बढ़ोतरी कैसे हुई, इसकी ऑडिट होनी चाहिए।'' शनिवार को राज ठाकरे ने दावा किया था, ''सिद्धिविनायक मंदिर के ट्रस्टियों ने एकनाथ शिंदे को पत्र लिखकर बताया है कि मंदिर में चोरी हुई है। शक है कि दान पेटी से 18 करोड़ रुपये की चोरी हुई है। छात्र सरकार पर भरोसा नहीं कर सकते, इसलिए अगर वे मंदिर जाते हैं और उसी मंदिर में चोरी हो रही है, तो ये बच्चे किस पर भरोसा करें?'' यह मामला अयोध्या राम मंदिर दान में हेराफेरी के मामले को लेकर चल रही हलचल के बीच सामने आया है, जो एक गरमाया हुआ मुद्दा बन गया है और विपक्ष के नेताओं ने संसद में भी इसे उठाया है।

मुंबईः बरसात के बीच टीएमसी ने शुरू किया गड्ढे भरने का अभियान

मुंबईः हालांकि मॉनसून के दौरान राज्य में सड़कों पर गड्ढों की वजह से दुर्घटना और जान का नुकसान होता है, लेकिन ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने लोगों की सेफ्टी को सबसे ज्यादा प्रायोरिटी दी है और तेजी से गड्ढा-मुक्त सड़क कैंपेन चलाया है। कोपरी इलाके में बाराबंगला, कोपरी ब्रिज और दूसरी जरूरी सड़कों पर गड्ढों को तुरंत भरने का काम शुरू किया गया है, और इसके लिए मैस्टिक एस्फाल्ट लेप,(गोंद जैसा चिपचिपा पदार्थ) जो एक सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी है, का इस्तेमाल किया जा रहा है।

टीएमसी का लोक निर्माण कार्य विभाग मॉनसून के दौरान खतरनाक हो सकने वाले गड्ढों की जांच कर रहा है और उन्हें प्राथमिक के आधार पर रिपेयर कर रहा है। खासकर,

ज्यादा ट्रैफिक वाली सड़कों पर गड्ढे भरने पर जोर दिया गया है। इससे टू-व्हीलर चलाने वालों, रिक्शा चलाने वालों और फोर-व्हीलर चलाने वालों को बड़ी राहत मिल रही है। मैस्टिक एस्फाल्ट को ट्रेडिशनल एस्फाल्ट के मुकाबले ज्यादा मजबूत टेक्नोलॉजी माना जाता है और इसका पानी पर कम असर होता है। इसलिए, लगातार बारिश होने पर भी गड्ढों के दोबारा होने की संभावना कम होती है।

मुंबई : आधुनिक कौशल से लैस हों शैक्षणिक संस्थान : मुख्यमंत्री फडणवीस

मुंबईः महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को नागपुर में कहा कि उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप आधुनिक तकनीकी कौशल से लैस, रोजगारोन्मुख और भविष्य के लिए तैयार मानव संसाधन विकसित करना समय की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री फडणवीस रविवार को नागपुर में रामदेव बाबा विश्वविद्यालय में एनवीडिया समर्थित 'एआई सेंटर फॉर कॉम्पिटेंसी' के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रामदेवबाबा विश्वविद्यालय ने शिक्षा के मूल उद्देश्यों को प्राथमिकता देते हुए व्यावसायीकरण से दूर रहकर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई

है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह विश्वविद्यालय शोध, नवाचार और तकनीकी विकास के क्षेत्र में देश के अग्रणी संस्थानों में शामिल होगा। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), सेमीकंडक्टर और क्वांटम कंप्यूटिंग आने वाले समय में वैश्विक अर्थव्यवस्था और उद्योगों की दिशा तय करेंगे। उन्होंने बताया कि दुनिया आज छठी औद्योगिक क्रांति की ओर बढ़ रही है, जिसका आधार एआई, डीप टेक्नोलॉजी और फ्रंटियर टेक्नोलॉजी हैं। ऐसे में विश्वविद्यालयों को अपनी शिक्षण पद्धति और पाठ्यक्रमों में समयानुकूल बदलाव करना होगा। उन्होंने विशेषज्ञों का हवाला देते हुए कहा कि अगले एक हजार दिनों में लगभग 70 प्रतिशत नौकरियों का स्वरूप बदल जाएगा। रोजगार समाप्त नहीं होंगे, लेकिन उनकी प्रकृति बदल जाएगी। इसलिए विद्यार्थियों के लिए नई तकनीकों और आधुनिक कौशलों में दक्ष होना अनिवार्य होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि एआई स्वास्थ्य, जैव प्रौद्योगिकी, रोबोटिक्स और कृषि जैसे क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन ला रहा है।

पुणे : लिफ्ट में फंसे मासूम समेत 5 लोगों का रेस्क्यू... फायर ब्रिगेड ने हाइड्रोलिक उपकरण से बचाई जान

पुणेः महाराष्ट्र में एक हाउसिंग सोसाइटी की लिफ्ट में फंसे पांच लोगों को फायर ब्रिगेड की टीम ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस घटना में ढाई साल का एक छोटा बच्चा भी शामिल था। राहत की बात यह रही कि सभी लोगों को बिना किसी चोट के सुरक्षित बचा लिया गया। जानकारी के अनुसार, पुणे की एक आवासीय सोसाइटी में अचानक लिफ्ट खराब हो गई, जिसके बाद उसमें मौजूद लोग अंदर ही फंस गए। लिफ्ट में फंसे लोगों ने मदद के लिए आवाज लगाई और इसकी सूचना सोसाइटी के अन्य निवासियों को दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। फायर कर्मियों

ने स्थिति का जायजा लेने के बाद आधुनिक हाइड्रोलिक उपकरणों की मदद से लिफ्ट को खोला। काफी सावधानी के साथ सभी पांच लोगों को बाहर निकाला गया। रेस्क्यू किए गए लोगों में एक ढाई साल का बच्चा भी था, जिसे सुरक्षित बाहर निकालने के बाद परिजनों ने राहत की सांस ली। फायर ब्रिगेड अधिकारियों ने बताया कि लिफ्ट में फंसे लोगों को निकालने के दौरान पूरी सावधानी बरती गई, ताकि किसी को नुकसान न पहुंचे। टीम ने तकनीकी उपकरणों का इस्तेमाल करते हुए कम समय में अभियान पूरा किया। घटना के बाद सोसाइटी प्रबंधन को लिफ्ट की तकनीकी जांच कराने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि लिफ्ट में खराबी या किसी भी आपात स्थिति में घबराने के बजाय तुरंत सुरक्षा हेल्पलाइन और संबंधित विभाग को सूचना दें। यह घटना एक बार फिर लिफ्टों के नियमित रखरखाव और सुरक्षा जांच की जरूरत को सामने लाती है।

यूक्रेन युद्ध में रूस के एसयू-57 स्टील्थ लड़ाकू विमान ने किया पहला "हवाई शिकार"

नई मिसाइल का कमाल

मॉस्को/कीव: रूस ने पहली बार दावा किया है कि उसके पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट su-57 ने यूक्रेन युद्ध में पहला शिकार किया है। रूस ने कहा है कि एसयू 57 लड़ाकू विमान ने हाइब्रिड फ्लश-रुख मिसाइल का इस्तेमाल करके अपना पहला ''एयर-टू-एयर किल'' किया है।

रूस की सरकारी हथियार कंपनी रोसोबोरोनएक्सपोर्ट के महानिदेशक अलेक्जेंडर मिखेव ने कहा कि इस स्टील्थ विमान ने जमीन और हवा में लक्ष्यों को भेदने सहित युद्ध के सभी पहलुओं में अपनी श्रेष्ठता साबित की है। उन्होंने कहा कि इससे Su-57E पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट में दुनिया की दिलचस्पी बढ़ रही है। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी TASS ने मिखेव के हवाले से कहा ''रोसोबोरोनएक्सपोर्ट ने Su-57E पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट में वैश्विक बाजार की बढ़ती दिलचस्पी को नोट किया है। इसने सबसे उन्नत एयर डिफेंस और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों का मुकाबला करते हुए वास्तविक युद्ध स्थितियों में अपनी श्रेष्ठता साबित की है। रूस ने कहा है कि इस विमान ने रूसी एयर-टू-एयर हथियारों जिसमें लेटेस्ट RVV-SDM गाइडेड मिसाइल भी शामिल है उसका इस्तेमाल करके हवा, जमीन और सतह पर मौजूद कई लक्ष्यों को निशाना बनाया है।

RVV-SDM मिसाइल को रोसोबोरोनएक्सपोर्ट ने बनाया है और ये एक नई मीडियम-रेंज एयर-टू-एयर मिसाइल है। इसे पांचवीं पीढ़ी के Su-57E स्टील्थ फाइटर के एक्सपोर्ट वर्शन में लगाने के लिए बनाया गया है। इसमें ''फायर-एंड-फॉरगेट'' क्षमता, एक्टिव-पैसिव रडार गाइडेंस और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर (इलेक्ट्रॉनिक युद्ध) का सामना करने की मजबूत क्षमता है।यूरेशियन टाइम्स से बात करते हुए भारतीय वायु सेना के पूर्व पायलट और डिफेंस एनालिस्ट विजेंद्र के. ठाकुर ने कहा कि RVV-SDM एक मीडियम-रेंज मिसाइल है।

धरती पर नये महाद्वीप अमेसिया का होगा जन्म! प्रशांत महासागर तेजी से सिकुड़ रहा, गायब होगा सबसे बड़ा समुद्र?

वॉशिंगटन: दुनिया के सबसे बड़े महासागर को लेकर वैज्ञानिकों ने सबसे चिंताजनक भविष्यवाणी की है। वैज्ञानिकों में इस महासागर के अस्तित्व को लेकर चिंता है। वैज्ञानिकों ने प्रशांत महासागर के सिकुड़ने के पीछे टेक्टोनिक प्लेट्स को जिम्मेदार ठहराया है। प्रशांत महासागर जो पृथ्वी की सतह पर मौजूद सबसे बड़ी संरचना है वो धीरे-धीरे छोटा होता जा रहा है और यह बात जितनी हैरान करने वाली है उतनी ही चौंकाने वाली भी है।

प्रशांत महासागर क्यों सिकुड़ रहा है?

ठडअअ ओशन एक्सप्लोरेशन ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि प्रशांत महासागर 155 मिलियन वर्ग किलोमीटर (लगभग 60 मिलियन वर्ग मील) से ज्यादा इलाके में फैला हुआ है। धरती पर मौजूद सभी महाद्वीपों और द्वीपों का कुल जमीनी इलाका लगभग 149 मिलियन वर्ग किलोमीटर है। इस तरह प्रशांत महासागर अकेले ही इन सबसे बड़ा है और फिर भी काफी जगह बच जाती है।

यह धरती की सतह के लगभग एक-तिहाई हिस्से को घेरे हुए है और दुनिया के महासागरों के कुल पानी का लगभग आधा हिस्सा इसमें है। अटलांटिक महासागर जिसे ज्यादातर लोग एक बहुत बड़े जल-क्षेत्र के तौर पर देखते हैं उसमें प्रशांत महासागर के मुकाबले आधा ही पानी है।

लगभग 200 से 250 मिलियन साल पहले जब सुपरकॉन्टिनेंट पैंजिया टूटा और प्राचीन सुपर-ओशन पैंथालासा में दरार आई तब प्रशांत महासागर बना। जैसे-जैसे टेक्टोनिक प्लेट्स ने जमीन को अलग किया अटलांटिक महासागर बना और विशाल पैंथालासा सिकुड़कर उस रूप में आ गया जिसे हम आज प्रशांत महासागर कहते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रशांत महासागर लगभग सबडक्शन जोन से घिरा हुआ है। इसे ''रिंग ऑफ फायर'' कहा जाता है। यह खाइयों, भूकंपों और ज्वालामुखियों की एक बेल्ट है जो महासागर के किनारे-किनारे न्यूजीलैंड से जापान और फिर एंडीज तक फैली हुई है। पैसिफिक में अपनी एक फैलती हुई रिज भी है जिसे ''ईस्ट पैसिफिक राइज'' कहते हैं लेकिन इसके आस-पास की खाइयों में इसकी जमीन का इतना बड़ा हिस्सा समा रहा है कि कुल मिलाकर यह बेसिन सिकुड़ रहा है।

वैज्ञानिक रिपोर्ट में कहा गया है कि इन्हीं खाइयों में महासागर अपनी सबसे गहरी और चरम स्थितियों तक पहुंचता है। पश्चिमी पैसिफिक में स्थित ''मारियाना ट्रेंच'' पृथ्वी पर सबसे गहरी जगह है। इसकी गहराई लगभग 11,000 मीटर है जो माउंट एवरेस्ट को उल्टा करने पर उसकी ऊंचाई से भी ज्यादा है।

यह एक सबडक्शन जोन है यानी उन जोड़ों में से एक जहां पैसिफिक की परत नीचे की ओर मुड़कर ग्रह के भीतर वापस खिसक रही है। किसी भी महासागर का सबसे गहरा बिंदु ठीक उसी प्रक्रिया के ऊपर स्थित है जो धीरे-धीरे इस महासागर को बंद कर रही है। पैसिफिक का आकार लगभग एक जैसी रफ्तार से कम हो रहा है यानी बहुत धीरे-धीरे और इसका पता लाखों

भारत-नेपाल संबंधों में फिर तनाव

काठमांडू: नेपाल के नवलपरासी वेस्ट में भारतीय जवानों पर सीमा में घुसकर एक अस्थायी बांध तोड़ने का आरोप लगा है। इस कारण भारत-नेपाल सीमा पर तनाव फिर बढ़ गया है। दावा किया जा रहा है कि यह अस्थायी बांध स्थानीय लोगों ने अपने गांव को नारायणी नदी की बाढ़ से बचाने के लिए बनाया था। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इस घटना के वक्त स्थानीय नेपाली लोगों की भारतीय सुरक्षाबलों के साथ टकराव भी हुआ था।

काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट में एक वायरल वीडियो का हवाला दिया गया है, जिसमें नवलपरासी वेस्ट जिले के सुस्ता इलाके के निवासियों और भारतीय जवानो के बीच विवाद को दिखाया गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि भारतीय जवान सादे कपड़ों में फावड़े लेकर नेपाल के इलाके में घुस आए। उन्होंने यह भी दावा किया कि भारतीय जवान मिट्टी के बने बांध को खोद डाला।

इस पर ग्रामीणों ने आपत्ति जताई और दोनों पक्षों के बीच जमकर कहासुनी हुई। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मौके पर नेपाली आर्म्ड फोर्स के जवान भी पहुंच गए और उन्होंने दखल देकर हालात को संभाला। रिपोर्ट में स्थानीय निवासी ने कहा, ''जैसे ही हमने भारतीय सुरक्षाकर्मियों को अपनी जमीन पर आते देखा, हम उन्हें रोकने के लिए एकजुट हो गए।

पाकिस्तान के फिर होंगे टुकड़े?

इस्लामाबाद: पाकिस्तान में नये प्रांत बनाने की कोशिशों ने बहुत बड़ा विवाद शुरू कर दिया है। इस बार आर्मी चीफ असीम मुनीर और शहबाज शरीफ आमने-सामने हैं। कई पाकिस्तानी पत्रकारों ने शहबाज शरीफ की सरकार के जल्द गिरने की भी भविष्यवाणी की है। ये विवाद तब सामने आया जब देश के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने ''शासन का ढांचा ध्वस्त होने'' की बात करते हुए कहा कि देश के शासन ढांचे में बड़े बदलाव की जरूरत है।

मोहसिन नकवी असीम मुनीर के काफी करीबी माने जाते हैं और पाकिस्तानी विपक्षी दलों और राष्ट्रवादी समूहों ने इस प्रस्ताव की कड़ी आलोचना की है। कुछ लोगों ने चेतावनी दी है कि प्रांतों की सीमाओं से जुड़े मुद्दों को फिर से उठाने से मौजूदा राजनीतिक और जातीय मतभेद और गहरे हो सकते हैं। वो 1971 जैसा हाल होने की चेतावनी दे रहे हैं जब पाकिस्तान टूटकर बांग्लादेश बना था।

पाकिस्तान में क्यों उठ रही है नए प्रांत बनाने की मांग?

मोहसिन नकवी का तर्क है कि पाकिस्तान के बड़े प्रांतों खासकर पंजाब और सिंध का प्रभावी ढंग से प्रशासन चलाना मुश्किल हो गया है और नए प्रशासनिक यूनिट बनाने से शासन और सेवा वितरण में सुधार हो सकता है। पाकिस्तानी मीडिया की खबरों के मुताबिक उन्होंने राजनीतिक दलों से इस मुद्दे पर आम सहमति बनाने की अपील की है। कई रिपोर्ट में अशांत बलूचिस्तान को भी कुछ हिस्सों में तोड़ने की बात कही गई है जिसका मकसद बलूच विद्रोहियों के आंदोलन को कमजोर करना है।

बिलावल भुट्टो की पाकिस्तान पीपल्स पार्टी, शहबाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज और साथ ही सिंधी और बलोच राष्ट्रवादी समूहों ने इस प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया है। जिससे अब ये लड़ाई पाकिस्तान सरकार बनाम पाकिस्तान सेना हो गई है। इस बदलाव के लिए संविधान संशोधन की जरूरत होगी और अगर शहबाज शरीफ और बिलावल भुट्टो तैयार नहीं होते तो संविधान संशोधन संभव नहीं है। इसीलिए पाकिस्तान की राजनीति में शहबाज शरीफ की सरकार के जल्द गिरने की भविष्यवाणी की गई है।

1971 के बांग्लादेश संकट से क्यों हो रही है इसकी तुलना?

आलोचकों का तर्क है कि राजनीतिक सहमति के बिना बड़े संवैधानिक या प्रशासनिक बदलाव नहीं किए जाने चाहिए। वे पाकिस्तान में 1970 के आम चुनाव के बाद सत्ता विवाद की बात कर रहे हैं जब शेख हसीना

के पिता मुजीब उर रहमान के चुनावी जीत हासिल करने के बाद भी तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान के नेताओं ने उनके हाथ में सत्ता नहीं सौंपा। इसी के बाद बांग्लादेश बनने का रास्ता खुल गया।

1970 में मुजीब उर रहमान की अवामी लीग को संसदीय बहुमत मिला लेकिन उसे सरकार बनाने नहीं दिया गया। इसके बाद राजनीतिक प्रतिशोध के चलते बांग्लादेश में ''ऑपरेशन सर्चलाइट'' चलाया गया जिसके बाद बांग्लादेश मुक्ति संग्राम शुरू हुआ। दिसंबर 1971 में पाकिस्तान की हार के बाद बांग्लादेश का गठन हुआ। कुछ विश्लेषकों का अब कहना है कि पाकिस्तान एक बार फिर कई आंतरिक चुनौतियों का सामना कर रहा है जिनमें राजनीतिक ध्रुवीकरण, बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में अशांति और आर्थिक दबाव शामिल हैं। उन्होंने ऐसे फैसलों के खिलाफ चेतावनी दी है जो क्षेत्रीय असंतोष को और भड़का सकते हैं।

अनन्या पांडे ने हाई-फैशन को दिया नया अंदाज, ग्लैमरस आउटफिट से बटोरी सुर्खियां

अभिनेत्री अनन्या पांडे ने एक बार फिर अपने फैशन सेंस से सुर्खियां बटोरी हैं। इस बार उन्होंने मशहूर डिजाइनर अनामिका खन्ना के डिजाइन किए हुए जड़े हुए बटरफ़्लाई कॉर्सेट और ड्रामैटिक रफल्ड स्कर्ट में नजर आकर हाई-फैशन ग्लैमर का शानदार प्रदर्शन किया। उनका यह लुक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैशन प्रेमियों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।

बटरफ़्लाई कॉर्सेट बना आकर्षण का केंद्र अनन्या के आउटफिट का मुख्य आकर्षण बारीक कढ़ाई और चमकदार अलंकरण से सजा बटरफ़्लाई-प्रेरित कॉर्सेट था। इसकी कलात्मक डिजाइन ने पूरे लुक को एक मॉडर्न और कूत्यूर अंदाज दिया।

रफल्ड स्कर्ट ने बढ़ाई ड्रामा अपील कॉर्सेट के साथ पहनी गई वॉल्यूमिनस रफल्ड स्कर्ट ने आउटफिट में नाटकीय प्रभाव जोड़ा। इस संयोजन ने हाई-फैशन रनवे स्टाइल और रेड कार्पेट एलिगेंस का बेहतरीन मेल पेश किया। मिनिमल एक्सेसरीज, मैक्सिमम इम्पैक्ट अनन्या ने इस स्टेटमेंट आउटफिट के साथ एक्सेसरीज को सीमित रखा, ताकि पूरा फोकस उनके परिधान पर बना रहे। सॉफ्ट ग्लैम मेकअप और स्टाइलिश हेयरस्टाइल ने उनके लुक को और निखारा।

फैशन प्रेमियों को पसंद आया अंदाज सोशल मीडिया पर फैशन एक्सपर्ट्स और प्रशंसकों ने अनन्या के इस लुक की जमकर तारीफ की। कई यूजर्स ने इसे उनके अब तक के सबसे स्टाइलिश और बोल्ड फैशन स्टेटमेंट्स में से एक बताया। अनामिका खन्ना की डिजाइन भाषा फिर चर्चा में भारतीय कूत्यूर फैशन की प्रमुख डिजाइनरों में शामिल अनामिका खन्ना अपनी पारंपरिक शिल्पकला और आधुनिक सिल्हूट के अनूठे मेल के लिए जानी जाती हैं। अनन्या का यह लुक भी उनकी इसी सिग्नेचर डिजाइन शैली को दशार्ता है।

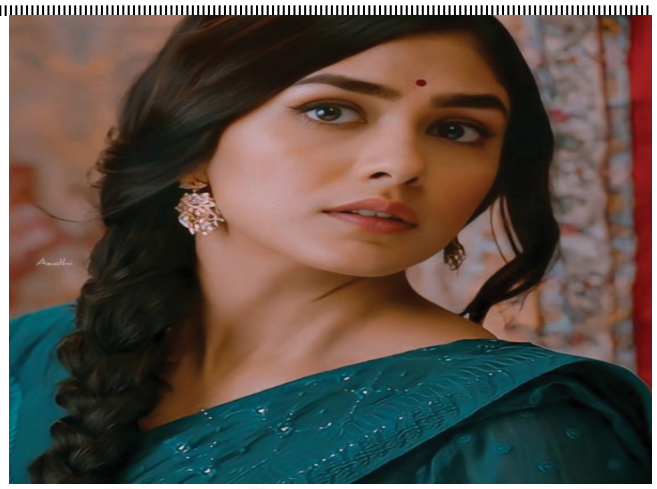

एक्ट्रेस होना पड़ा भारी!

मुंबई : मृणाल का मानना है कि सही इंसान तक पहुंचने के लिए गलत रिश्तों से गुजरना भी जरूरी होता है, क्योंकि तभी समझ आता है कि रिश्ते में वास्तव में क्या चाहिए।

बॉलीवुड एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने अपनी लव लाइफ को लेकर ऐसा खुलासा किया है, जिसने फैंस को चौंका दिया। एक इंटरव्यू में मृणाल ने बताया कि उनके एक्स बॉयफ्रेंड ने सिर्फ इसलिए रिश्ता खत्म कर दिया क्योंकि वह उनकी एक्ट्रेस वाली जिंदगी को स्वीकार नहीं कर पाया। मृणाल के मुताबिक, उसने साफ कह दिया था कि वह उनके साथ नहीं रह सकता। हालांकि, एक्ट्रेस ने अपने एक्स को दोष देने के बजाय उसकी परवरिश और रूढ़िवादी सोच को इसकी वजह बताया। मृणाल का मानना है कि सही इंसान तक पहुंचने के लिए गलत रिश्तों से गुजरना भी जरूरी होता है, क्योंकि तभी समझ आता है कि रिश्ते में वास्तव में क्या चाहिए। उन्होंने मजाकिया अंदाज में यह भी कहा कि अगर उनका रिश्ता आगे बढ़ता और बच्चे होते, तो दोनों की अलग-अलग सोच उन्हें कन्फ्यूज कर देती। अब मृणाल अपने करियर पर पूरा फोकस कर रही हैं।

फ्लाइट में रोमांस का ओवरडोज!

मुंबई : हिना खान और रॉकी जायसवाल एक बार फिर अपनी रोमांटिक केमिस्ट्री को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बार दोनों का प्यार आसमान की ऊंचाइयों पर उड़ता नजर आया। हिना ने सोशल मीडिया पर फ्लाइट के अंदर का एक प्यारा वीडियो शेयर किया, जिसमें रॉकी बड़े प्यार से उनके हाथों को चूमते दिखाई दे रहे हैं। इस खूबसूरत पल ने पैंस का दिल जीत लिया। वीडियो के साथ हिना ने लिखा, 'मोहब्बत करो तो ऐसे वरना मत करो।' साथ ही उन्होंने हर मुश्किल वक्त में साथ निभाने के लिए रॉकी का शुक्रिया भी अदा किया। पोस्ट सामने आते ही कमेंट सेक्शन प्यार भरे संदेशों से भर गया। रॉकी ने भी जवाब में 'माय बेबी' लिखकर अपना प्यार जताया, जबकि रुबीना दिलैक और माही विज समेत कई सितारों ने दोनों की जोड़ी पर प्यार बरसाया। पैंस इस कपल को एक बार फिर 'कपल गोल्स' बता रहे हैं।

'उसने कहा कपड़े उतारो'

मुंबई : टीवी अभिनेत्री नवीना बोले ने एक बार फिर निर्देशक साजिद खान को लेकर लगाए अपने पुराने आरोपों से सुर्खियां बटोर ली हैं। एक इंटरव्यू में उन्होंने अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए दावा किया कि जब साजिद फिल्म 'हे बेबी' पर काम कर रहे थे, तब उन्होंने उन्हें अपने घर बुलाया था। नवीना के मुताबिक, वे इस मुलाकात को लेकर काफी उत्साहित थी, लेकिन वहां पहुंचने पर साजिद ने कथित तौर पर उससे कहा, 'तुम अपने कपड़े उतारकर सिर्फ लॉन्जरी में क्यों नहीं बैठ जाती? मैं देखना चाहता हूं कि तुम कितनी कंफर्टेबल हो।' अभिनेत्री ने बताया कि यह घटना २००४ या २००६ के आसपास की है, जब वह ग्लैडरैग्स से जुड़ी हुई थीं। नवीना का कहना है कि वह इस व्यवहार से हैरान रह गई और किसी तरह वहां से निकल आई। उसने आगे आरोप लगाया कि इसके बाद साजिद ने उसे करीब ५० बार फोन कर पूछा कि वह वापस क्यों नहीं आ रही है। नवीना ने साजिद को 'खिलौना आदमी' बताते हुए आरोप लगाया कि इंडस्ट्री में महिलाओं के साथ उनका रवैया अपमानजनक रहा है। यह बयान उनके पुराने अनुभव पर आधारित है, जो एक बार फिर सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। इस संदर्भ में साजिद खान की ओर से कोई नया सार्वजनिक बयान सामने नहीं आया है।

ठाणे : आपदाओं के दौरान अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की जिंदगी बचाने वाले एक रेस्क्यू वर्कर की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत!

ठाणे (महाराष्ट्र) : आपदाओं के दौरान अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की जिंदगी बचाने वाले एक रेस्क्यू वर्कर की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। ठाणे डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स के स्थायी सदस्य विकास लाहू गोरे (31) की मोटरसाइकिल कथित तौर पर मुंबई-नासिक हाईवे पर एक गड्ढे से टकराने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल विकास गोरे की मौत हो गई। उनकी मौत के बाद परिवार, सहकर्मियों और स्थानीय लोगों में शोक के साथ-साथ सड़क व्यवस्था को लेकर नाराजगी भी देखने को मिल रही है।

मृतक विकास गोरे ठाणे जिले के शाहपुर तालुका के बामाने गांव के रहने वाले थे। वे टीडीआरएफ में स्थायी सदस्य के रूप में कार्यरत थे और आपदा के समय राहत एवं बचाव कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे। वर्षों से वे बाढ़, दुर्घटनाओं और अन्य आपात परिस्थितियों में लोगों की मदद करते आ रहे थे। उनके साथी उन्हें एक समर्पित और साहसी रेस्क्यू कर्मी के रूप में याद कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, हादसे के समय विकास गोरे ड्यूटी पर जा रहे थे। परिवार के सदस्यों और उनके साथ काम करने वाले लोगों के मुताबिक, वह अपने

नियमित कार्य के लिए मोटरसाइकिल से निकले थे। इसी दौरान मुंबई-नासिक हाईवे पर शाहपुर क्षेत्र में भारंगी नदी के पुल के पास उनकी बाइक दुर्घटना का शिकार हो गई।

पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, विकास गोरे मुंबई-नासिक हाईवे पर ठाणे की दिशा में जा रहे थे। इसी दौरान उनकी मोटरसाइकिल कथित तौर पर सड़क पर बने एक गहरे गड्ढे से टकरा गई। अचानक झटका लगने के कारण बाइक पर उनका नियंत्रण नहीं रहा। इसके बाद वे सड़क पर गिर गए और फिसलते हुए डिवाइडर से जा टकराए। हादसा इतना गंभीर था कि विकास गोरे के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। दुर्घटना के बाद उन्हें तत्काल उपचार के लिए ले जाने की कोशिश की गई, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार और उनके विभाग के लोगों में शोक की लहर दौड़ गई।

विकास गोरे अपने पीछे पत्नी और सवा साल की जुड़वां बेटियों को छोड़ गए हैं। कम उम्र में परिवार के मुख्य सदस्य की मौत से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिवार के लोगों का कहना है कि विकास ने हमेशा दूसरों की जान बचाने का काम किया, लेकिन सड़क की खराब स्थिति के कारण उनकी खुद की जिंदगी चली गई। परिवार और उनके साथियों ने इस हादसे को लेकर जवाबदेही की मांग उठाई है। उनका कहना है कि यदि सड़क पर मौजूद गड्ढों की समय पर मरम्मत की जाती तो शायद यह हादसा टाला जा सकता था। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से सड़क की स्थिति सुधारने और भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

मंदिर में दान चोरी पर सिद्धिविनायक ट्रस्ट का खुलासा

नौ कर्मचारी गिरफ्तार, 46 निलंबित

मुंबई : मुंबई के प्रसिद्ध श्री सिद्धिविनायक मंदिर में दान चोरी के मामले पर ट्रस्ट के अध्यक्ष सदा सरवणकर ने जवाब दिया, उन्होंने कबूल किया कि मंदिर की दानपेटी से चोरी होने की घटना सही है, लेकिन ट्रस्ट की शिकायत और पुलिस की तत्परता से इस पूरे गिरोह का पदार्फाश कर दिया गया है। इस मामले में नौ कर्मचारियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सदा सरवणकर ने कहा कि श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े इस मामले को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। उन्होंने स्वीकार किया कि मंदिर के कुछ कर्मचारियों द्वारा दान की चोरी की गई थी, लेकिन ट्रस्ट को

संदेह होने पर तत्कालीन वरिष्ठ पुलिस अधिकारी विश्वास नांगरे पाटिल को पत्र लिखकर जांच का अनुरोध किया गया। उनके मार्गदर्शन में पुलिस ने कार्रवाई की और चोरी का खुलासा हुआ। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की गई। गिरफ्तार किए गए नौ आरोपियों में राजन पेंडुरकर और घाडीगावकर सहित अन्य कर्मचारी शामिल हैं। सभी को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की गई है। सरवणकर ने दावा किया कि इस मामले के मुख्य आरोपियों को पूर्व सांसद विशाखा राऊत की सिफारिश पर नौकरी दी गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि गिरफ्तार किए गए अधिकांश कर्मचारी शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) से जुड़े हुए थे और उनका ठाकरे गुट के नेताओं से संपर्क था। सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के विश्वस्त राहुल लोंढे ने कहा कि ट्रस्ट की शिकायत के आधार पर ही पुलिस ने कार्रवाई कर नौ कर्मचारियों को गिरफ्तार किया।

कामवारी नदी के तेज बहाव में बही ट्रैवल कार, मालिक का पता नहीं

भिवंडी : भिवंडी में लगातार हो रही बारिश के बीच कामवारी नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने से शेलार गणपति घाट पर खड़ी एक ट्रैवल कार तेज बहाव में बह गई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। राहत की बात यह रही कि कार के भीतर कोई सवार नहीं था, जिससे जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह शेलार गणपति घाट के पास नदी किनारे एक ट्रैवल कार खड़ी थी। लगातार बारिश के कारण कामवारी नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने लगा। देखते ही देखते नदी का तेज बहाव कार तक पहुंच गया

और कुछ ही क्षणों में वाहन पानी के साथ बह गया। शहर में लगातार बारिश के चलते कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है, जबकि कामवारी नदी भी उफान पर बह रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने से वाहन हटाने का मौका ही नहीं मिल सका। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि बहने वाली ट्रैवल कार किसकी थी। घटना की जानकारी संबंधित प्रशासन को दे दी गई है और वाहन की तलाश की जा रही है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि भारी बारिश के दौरान नदी, नालों और घाटों के आसपास वाहन खड़े न करें तथा जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहें।

भिवंडी में भारी बारिश से तबाही, कामवारी नदी खतरे के निशान के ऊपर...

भिवंडी: महाराष्ट्र के भिवंडी शहर में सोमवार को भारी बारिश ने जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया। रातभर हुई मूसलाधार बारिश के कारण शहर के कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई। सड़कों पर पानी भरने से यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई और लोगों को घरों से बाहर निकलने में परेशानी का सामना करना पड़ा। लगातार बारिश के चलते कामवारी नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया, जिससे आसपास के इलाकों में बाढ़

जैसे हालात बन गए। रविवार देर रात से सोमवार सुबह तक हुई तेज बारिश ने भिवंडी के कई हिस्सों में मुश्किलें बढ़ा दीं। कम समय में बड़ी मात्रा में बारिश होने के कारण जल निकासी व्यवस्था प्रभावित हुई और निचले क्षेत्रों में पानी जमा होने लगा। कई रिहायशी इलाकों में बाढ़ का पानी घरों के अंदर तक पहुंच गया, जिससे लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। स्थानीय लोगों के अनुसार, कई परिवारों को रातभर जागकर गुजारनी पड़ी। घरों में पानी भरने से फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक सामान और अन्य घरेलू वस्तुओं को नुकसान पहुंचा। अचानक बढ़े जलस्तर के कारण लोग अपने सामान को सुरक्षित स्थानों पर रखने में जुटे रहे। कई इलाकों में लोग पानी कम होने का इंतजार करते रहे, ताकि सामान्य जीवन फिर से शुरू हो सके। भिवंडी के कामवारी नदी क्षेत्र में स्थिति सबसे ज्यादा चिंताजनक रही। लगातार बारिश के कारण नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया और पानी किनारे के इलाकों तक पहुंच गया।

ठाणे की झील में मिला अज्ञात महिला का शव

ठाणे : ठाणे के कैसल मिल इलाके में स्थित अम्बे-घोसाले झील से एक अज्ञात महिला का शव मिला है। इस महिला की उम्र 55 से 60 साल के बीच बताई जा रही है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन सेल के अनुसार नियंत्रण कक्ष को सुबह करीब 9.25 बजे सूचना मिली कि प्रभाकर हेगड़े मार्ग पर कैसल मिल सर्कल के पास और स्वर्गीय मीनाताई ठाकरे चौक के नजदीक झील में एक महिला का शव तैरता हुआ देखा गया है। तुरंत एक संयुक्त बचाव अभियान शुरू किया गया। क्षेत्रीय आपदा

प्रबंधन सेल (आरडीएमसी), ठाणे दमकल विभाग, राबोडी पुलिस और स्थानीय आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर झील से शव को बाहर निकाला। मृतक महिला की पहचान अभी नहीं हो पाई है और उसकी उम्र 55 से 60 साल के बीच होने का अनुमान है। शव मिलने के बाद उसे राबोडी पुलिस को सौंप दिया गया।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर 4 ए, फ्लोर-जीआरडी, 29 डी, शबन हाउस, वंजावाडी लेन, माहिम वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400016 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhani.com